

Regarding decreasing population of Hindus in Jharkhand

डॉ. निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : अध्यक्ष महोदय, संविधान खतरे में है। हम यहां पर दलितों की बात करते हैं, पिछड़ों की बात करते हैं, आदिवासी को बचाने की बात करते हैं। सभी सरकारों की नीतियां, चाहे केन्द्र सरकार हो या राज्य सरकार हो, कहीं किसी की भी सरकार हो, उसका एक मात्र लक्ष्य यही होता है कि उसको समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है।

अध्यक्ष महोदय, मैं संथाल परगना एरिया से आता हूँ। जब झारखण्ड बिहार से अलग हुआ तो वर्ष 2000 में आदिवासियों की पॉपुलेशन संथाल परगना में 36 प्रतिशत थी और आज आदिवासियों की पॉपुलेशन 26 प्रतिशत है। 10 प्रतिशत आदिवासी कहां पर गायब हो गए, कहां खो गए, इसके बारे में कभी भी यह सदन चिंता नहीं करता है। वह वोट बैंक की पॉलिटिक्स करता है।

हमारे राज्य में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस की सरकार है। वह इसके ऊपर कोई एक्शन नहीं लेती है। आज हमारे यहां पर बांग्लादेश के घुसपैठ लगातार बढ़ रहे हैं। आदिवासी महिलाओं के साथ बांग्लादेशी घुसपैठिए शादी कर रहे हैं। यह हिंदू और मुसलमान का सवाल नहीं है। हमारे यहां पर जो महिलाएं लोक सभा का चुनाव लड़ती हैं, वे आदिवासी कोटे से लड़ती हैं, उनके पति मुसलमान हैं। जिला परिषद की जो अध्यक्ष महोदया हैं, उनके पति मुसलमान हैं। आदिवासी जो मुखिया होते हैं, आप समझिए कि हमारे यहां पर 100 ऐसे मुखिया हैं, जो आदिवासी के नाम पर हैं और उनके पति सभी के सभी मुसलमान हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां अभी विधान सभा का चुनाव हुआ। यहां सभी लोग चुनाव लड़कर आए हैं। प्रत्येक पांच साल में 15 से 17 परसेंट पॉपुलेशन बढ़ती है या वोटर्स बढ़ते हैं। हमारे यहां पर 123 परसेंट बढ़े हैं। मैं जिस लोक सभा क्षेत्र से आया हूँ, उसकी एक विधान सभा मधुपुर में लगभग-लगभग 267 बूथों पर 117 परसेंट मुसलमानों की आबादी बढ़ गई। झारखंड में कम से कम 25 विधान सभाएं ऐसी हैं, जहां 110 परसेंट तक इनकी आबादी बढ़ी है। यह एक बड़ा चिंता का विषय है।

दूसरा, हमारे यहां पर पाकुड़ जिले में तारानगर, इलामी और डागापाडा में दंगा हो गया था। दंगा इसलिए हुआ है, क्योंकि बंगाल से ...* की जो पुलिस है और वहां के लोग मालदा और मुर्शिदाबाद से आकर हमारे लोगों को भगा रहे हैं। हिंदुओं के गांव के गांव खाली हो रहे हैं। यह बड़ा ही सीरियस विषय है।? (व्यवधान) यह मैं ऑन रिकार्ड कह रहा हूँ। यदि मेरी एक बात भी गलत है तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूँ।? (व्यवधान) बंगाल, मुर्शिदाबाद और मालदा से सारे लोगों ने आकर हिंदुओं के ऊपर जुल्म किया है। यह ऑन रिकार्ड है और झारखण्ड की पुलिस कोई काम नहीं कर पा रही है।? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि पूरा मालदा, मुर्शिदाबाद, अररिया, किशनगंज, कटिहार और असरगंज, चूँकि झारखंड हाईकोर्ट का यह 22 जुलाई का ऑर्डर है, जो यह कह रहा है कि मुसलमानों की आबादी दिन प्रतिदिन बढ़ रही है और वहां पर भारत सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए या किशनगंज, अररिया, कटिहार, मालदा, मुर्शिदाबाद और जो पूरा संथाल परगना है, उसे यूनिजन टेरेटरी बनाया जाए, नहीं तो हिंदू खाली हो जाएंगे।? (व्यवधान) वहां पर एनआरसी लागू कीजिए।? (व्यवधान) इसके पहले यदि कुछ नहीं होता है तो वहां सबसे पहले हाउस की एक कमेटी को भेजिए और उसमें तृणमूल कांग्रेस के मैक्सिमम एमपीज को रखिए।

दूसरी, लॉ कमीशन की वर्ष 2010 की जो यह 235 वीं रिपोर्ट है, उसको लागू कीजिए कि धर्मांतरण और शादी के लिए परमिशन जरूरी है ।? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए मौका दिया, उसके लिए आपको धन्यवाद ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जो माननीय सदस्य सदन का सदस्य नहीं है, अगर उसका नाम लिया गया होगा तो उसको निकाल देंगे ।

? (व्यवधान)